भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
22.07.2015 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 328

रेयर बीच सैन्ड खनिज

328. **श्री प्रहलाद सिंह पटेल :**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **क्या इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड (आईआरईएल) परमाणु ऊर्जा को बढ़ाने में एक बड़ा भागीदार है;**

(ख) **यदि हाँ, तो क्या सरकार को उक्त संगठन के तमिलनाडु में पट्टे से जुड़े विवाद की जानकारी है एवं यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है;**

(ग) **आईआरईएल द्वारा खुदाई किए गए रेयर बीच सैन्ड मिनरल का ब्यौरा क्या है जो परमाणु ऊर्जा के लिए उपयोगी है;**

(घ) **क्या सरकार आईआरईएल के कार्यकरण से संतुष्ट है तथा यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं एवं इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं; और**

(ड.) **देश के विभिन्न भागों का ब्यौरा क्या है जहाँ रेयर मिनरल पाए जाते हैं?**

उत्तर

राज्य मंत्री, .कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) **जी, हाँ।**

(ख) **जी, हाँ। तमिलनाडु में मानवलाकुरिची स्थित इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड के संयंत्र को विभिन्न कठिनाईयों का सामना करना पड़ा है, जिनमें भूमि अधिकार के मुद्दे पर राज्य सरकार द्वारा खनन पट्टे का नवीनीकरण नहीं किया जाना, इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड द्वारा दिए गए आवेदन-पत्र के संदर्भ में नए खनन पट्टे (एमएल) का जारी न किया जाना, तमिलनाडु के मौजूदा प्रचालनरत संयंत्रों हेतु पर्यावरणीय अनुमतियाँ प्राप्त करने में कठिनाई आना आदि शामिल हैं। परमाणु ऊर्जा विभाग, तमिलनाडु सरकार के साथ इन मुद्दों का शीघ्र समाधान करने हेतु लगातार आवश्यक कार्रवाई कर रहा है।**

(ग) **पुलिन बालू खनिज सात खनिजों नामतः इल्मेनाइट, रुटाइल, ल्यूकॉक्सिन-टाइटेनियम युक्त खनिज, जर्कन-एक जर्कोनियम युक्त खनिज, सिलीमेनाइट - ऐलुमिनियम का एक सिलिकेट, गार्नेट-आयरन- ऐलुमिनियम सिलिकेट, तथा मोनाजाइट, जोकि थोरियम का फास्फोटिक खनिज है, यूरेनियम तथा विरल मृदा का जोड़ है। उपरोक्त में से, मोनाजाइट, भारत में विरल मृदाओं (रेअर अर्थ्स) का एकमात्र वाणिज्यिक स्त्रोत है। मोनाजाइट में, थोरियम तथा यूरेनियम भी होता है, जोकि परमाणु ऊर्जा अधिनियम,1962 के अनुसार विहित पदार्थ हैं, तथा परमाणु ऊर्जा के लिए उपयोगी हैं।**

-2/..

(घ) जी, हाँ।

(ड.) तटवर्ती क्षेत्रों के आस-पास पुलिन बालू निक्षेपों में, अन्य भारी खनिजों के साथ संबद्ध खनिज मोनाजाइट, भारत में विरल मृदा का एक प्रमुख स्त्रोत है। परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग का एक संघटक यूनिट है, ने, भारत के तटवर्ती क्षेत्रों के आस-पास पुलिन बालू खनिज प्लेसर निक्षेपों में 11.93 मिलियन टन मोनाजाइट स्त्रोत की विद्यमानता का अनुमान लगाया है। सामान्य तौर पर मोनाजाइट में कुल लगभग 55-60% विरल मृदा ऑक्साइड विद्यमान होता है। परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय द्वारा पता लगाए गए स्वस्थाने मोनाजाइट के संसाधनों की जून, 2015 की स्थिति के अनुसार, राज्य-वार स्थिति निम्नानुसार है :

राज्य	मोनाजाइट (मिलियन मीटरी टन)
ओडिशा	2.41
आंध्र प्रदेश	3.72
तमिलनाडु	2.46
केरल	1.90
पश्चिम बंगाल	1.22
झारखण्ड	0.22
कुल	11.93

******